फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 276 प्रभात जयपुर, मंगलवार 09 मई , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Another Coronation & Jaipur's Attendance

It's said that the Maharaja did not attend the official dinner as he would not eat the food served there & returned to his place of stay to have a quiet dinner.

Education: Myth Of The Fast Learner

Achievement gaps come from differences in learning opportunities

आम के पेड़ और ततैया के छत्ते मौसम की जानकारी देने वाली सैटलाइट्स के लिए बेमेल सा संयोग हो सकते हैं, पर वानूआतू प्रायद्वीय के पूर्वी छोर पर ''फूतूना आइलैंड,'' जो एक ज्वालामुखी हैं, पर आम के पेड़ और ततैये के छत्ते मौसम संबंधी आपदा की भविष्यवाणी करने में अहम भूमिका निभाते हैं। एक मानव कल्याण संस्था, केअर इंटरनैशनल के अधिकारी मैनुअल नावायरा ने कहा कि, ''जब आम के पेड़ में जल्दी, अर्थात् अक्टूबर से पहले फूल आ जाएं तो हम जान जाते हैं कि सायक्लोन आएगा। मैनुअल नावायरा फूतूना आइलैंड पर ही पैदा हुए हैं और समीपवर्ती तन्ना आइलैंड पर काम करते हैं। उन्होंने कहा, ''हम यह भी देखते हैं कि, ततैयों ने अपना छत्ता कहां बनाया है। अधिकतर वो अपना छत्ता पेड़ के ऊपर बनाती हैं, पर जब सायक्लोन आने वाला होता है तो वो अपना छत्ता जमीन के समीप बनाती हैं। ये संकेत इस द्वीप के निवासियों को तूफान से निपटने की तैयारी करने का समय दे देते हैं। ये लोग कोमल ''बनाना पाम ट्री'' को काटते हैं, फिर फल का गूदा बनाकर, उसे सुखाकर, पत्तों में लपेट कर जमीन में दबा देते हैं, जहां वे वर्षों तक सुरक्षित रहते हैं। मकानों के ढीले हो गए लोहे को बांधते हैं और नारियल के पेड़ के पत्तों से छतों को मजबूत करते हैं। इनके घर छोटे और घुमावदार होते हैं ताकि तूफानी हवा के वेग का मुकाबला कर सकें। वानूआतू द्वीप पसिफिक रिंग ऑफ फायर पर स्थित है और सायक्लोन बैल्ट के बीचों बीच है, इसलिए इस देश को, विश्व के सभी देशों के मुकाबले प्राकृतिक आपदाओं का सबसे अधिक खतरा है। इसी वर्ष मार्च में यहां 24 घंटे में दो सायक्लोन व एक भूकंप आया था। वानूआतू के रिकॉर्डेड इतिहास में भी यह अभूतपूर्व है। इतना ही नहीं, ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से सायक्लोन की तीव्रता बढ़ती जा रही है।

क्या राजे-गहलोत मित्रता का ''द एंड'' हो रहा है या बात कुछ और है?

वसुंधरा राजे ने अशोक गहलोत पर झूठ बोलने और उनका नाम खराब करने का आरोप लगाया

- गहलोत ने कहा था कि, पायलट की बगावत के समय उनकी सरकार को बचाने में वसुंधरा राजे की अहम् भूमिका थी, जिसका राजे ने जोरदार खंडन किया है।
- कुछ जानकार लोगों का कहना है कि, गहलोत ने प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर ऐसा कहा है, जिनसे उनके समीकरण दिनों दिन और बेहतर होते जा रहे हैं।
- कहा जा रहा है कि, तमाम कोशिशों के बावजूद भी भाजपा नेतृत्व वसुंधरा राजे को नियंत्रित नहीं कर पाया है, इसलिए गहलोत का सहारा लिया गया है।
- सूत्रों का कहना है कि, अगर वसुंधरा रास्ते से हट जाती हैं, तो भाजपा की राह आसान हो जाएगी। सवाल यह है कि, क्या गहलोत भाजपा की मदद कर रहे हैं अगर हाँ तो क्यों?
- सूत्रों का यहां तक कहना है कि, पायलट को सत्ता से दूर रखने की सनक गहलोत पर इस कदर हावी है कि, वे भाजपा की जीत का रास्ता साफ करने को भी तैयार हैं और इसलिए उन्होंने राजे से अपनी दोस्ती को भी खतरे में डाल दिया है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। क्या यह एक खूबसूरत दोस्ती का अन्त है? वसुंधरा राजे सिंधिया ने अशोक गहलोत पर झूठ बोलने तथा उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। दरअसल, गहलोत ने सार्वजनिक रूप से दुनिया को बताया था कि वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व मुख्यमंत्री तथा उनकी सबसे अच्छी मित्र ने उस समय उनकी (गहलोत) सरकार को बचाया था, जब सचिन पायलट के नेतृत्व में कुछ कांग्रेस विधायकों ने उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की थी।

जब गहलोत ने अपनी सरकार बचाने वालों में अन्य लोगों के साथ वसुंधरा राजे का भी नाम लिया तो भारी हैरानी और अचरज व्याप्त हो गया था।

सूत्रों ने रहस्योद्घाटन करते हुये कहा है कि वसुंधरा राजे जो, राजस्थान में भाजपा की ऐसी सबसे बड़ी नेता हैं, जिन्हें भाजपा नेतृत्व अपने नियंत्रण में नहीं रख सका है, की साख खराब करने वाले इस कृत्य के पीछे बहुत बड़ी साजिश है।

सूत्रों का कहना है कि गहलोत का यह कथन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्देशित था जिनके साथ गहलोत के समीकरण बहुत अच्छे हो गए हैं।

भाजपा नेतृत्व राजस्थान में एक नया नेतृत्व लाना चाहता है तथा वसुंधरा पर लम्बे समय से निशाना साधे हुये है, लेकिन शीर्ष नेतृत्व करीब-करीब या पूरी तरह निष्प्रभावी रहा है क्योंकि वसुंधरा टस से मस नहीं हुई है।

कुछ समूह यह आरोप लगा रहे हैं कि गहलोत विक्षिप्त जैसे हो गये हैं। लेकिन एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि जो कुछ आँखों को दिखाई दे रहा है, वस्तु:स्थिति उससे भी कहीं ज्यादा और बड़ी है।

यह आरोप लगाया जा रहा है कि यह सब भाजपा नेतृत्व के आदेश पर वसुंधरा को नुकसान पहुँचाने के लिये एक सुनियोजित एवं सोची-समझी साजिश थी।

जहाँ तक कांग्रेस नेतृत्व का प्रश्न है, पार्टी के बड़े से बड़े नेता, जिनमें गांधी परिवार तथा मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हैं, अब इतनी मजबूत स्थिति में नहीं है कि वे अशोक गहलोत जैसे शक्तिशाली क्षेत्रीय नेताओं को नियंत्रित कर सकें, क्योंकि इनके पास बहुत पैसा है तथा नेतृत्व को फंडिंग करते रहते हैं।

भाजपा राजस्थान में जीतना चाहती है और अगर वसुंधरा राजे रास्ते से हट जायेंगी तो भाजपा के लिये सत्ता में आना आसान हो जायेगा। और सचिन पायलट

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सोनिया गांधी पर एफ.आई.आर. के लिए भाजपा ने चुनाव आयोग से मांग की

भाजपा का आरोप है कि, सोनिया गांधी ने कर्नाटक चुनाव में हुबली की जनसभा में कर्नाटक को भारत से अलग बताया था

- विशेषज्ञों का कहना है कि, भाजपा की यह हताशा भरी कोशिश है, क्योंकि हुबली जनसभा में अपने भाषण में सोनिया गांधी ने ऐसी कोई बात नहीं कही, जिसमें कर्नाटक की ''सम्प्रभुता'' का उल्लेख हो।
- असल में भाजपा ने चुनाव आयोग को जो शिकायत भेजी है, उसमें कांग्रेस की एक ट्वीट को आधार बनाया है और उसका स्क्रीन शॉट भी शिकायत के साथ संलग्न किया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। भाजपा ने भारत के चुनाव आयोग से कहा है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की जाये तथा ''कर्नाटक की संप्रभुता'' का समर्थन करने वाली उनकी कथित टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ ''मिसाली दण्डात्मक कार्यवाही'' की जाये। लेकिन भाजपा के यह कोशिश इस बिन्दु को एक मुद्दा बनाने की एक अशिष्ट कोशिश प्रतीत हो रही है, जबकि इसमें मुद्दे जैसी कोई चीज ही नहीं है क्योंकि सोनिया गांधी के भाषण की प्रतिलिपि में ऐसा कोई संकेत या संदर्भ ही नहीं है।

भाजपा द्वारा ई.सी. से की गई इस शिकायत से एक दिन पूर्व ही मैसूर के नंजनगुड की रैली में ''संप्रभुता'' संबंधी टिप्पणी को लेकर, प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी परिवार पर हमला बोला था तथा कहा था कि कांग्रेस का ''शाही परिवार'' कर्नाटक को भारत से पृथक करना चाहता है। उन्होंने कहा था, ''मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि टुकड़े-टुकड़े गैंग की यह बीमारी इतना बड़ा रुप ले लेगी।''

भाजपा की शिकायत कांग्रेस के एक ट्वीट पर आधारित है जिसमें कहा गया है कि सोनिया गांधी ने 6 मई को हुबली के अपने भाषण में कहा था कि ''कांग्रेस कर्नाटक की प्रतिष्ठा, संप्रभुता एवं अखंडता को लेकर किसी को संकट नहीं पैदा करने देगी।''

ई.सी. को की गई शिकायत में भाजपा ने सोनिया के भाषण से संबंधित कांग्रेस के ट्वीट का स्क्रीन शॉट संलग्न किया है तथा आरोप लगाया है, ''कांग्रेस यह मानती है कि कर्नाटक भारत से पृथक है।..... यह एक ऐसा स्तब्धकारी बयान है जो विभाजनकारी भावनाएं भड़काने वाला तथा समाज मे असामंजस्य पैदा करने वाला है।''

सोनिया गांधी के नंजनगुड के संबोधन की ऑडियो रिकॉर्डिंग तथा भाषण की ट्रांसक्रिप्ट में संप्रभुता या अखंडता जैसे शब्द हैं ही नहीं।

सोनिया गांधी ने 6 मई को हुबली में अपने भाषण में कहा था: ''भाजपा सरकार की लूट, झूठ, अक्खड़पन, अहंकार एवं द्वेष की भावना ने एक ऐसा माहौल बना दिया है कि इस (भाजपा सरकार) से छुटकारा पाये बिना न तो कर्नाटक का विकास हो सकता है और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है!
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

ई.डी. चीफ मिश्रा के ''एक्सटैंशन'' पर फैसला रिज़र्व

- सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी. के निदेशक, संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार एवं सैंट्रल विजिलैंस कमीशन (एमैडमैंट) एक्ट के सैक्शन 25 के संशोधन पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह निर्णय लिया तथा सभी पक्षों से शुक्रवार तक अतिरिक्त टिप्पणियाँ लिखित में देने को कहा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। सुप्रीम कोर्ट ने एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार और सैन्ट्रल विजिलैन्स कमीशन (संशोधन) एक्ट की धारा 25 के वर्ष 2021 के संशोधन को लेकर दायर की गईं कई याचिकाओं पर सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित

(शेष पृष्ठ 5 पर)

105 करोड़ रू. के घोटाले में फरार महिला आई.ए.एस. अजमेर से गिरफ्तार

असम की इस महिला आई.ए.एस. को असम विजिलैंस टीम ने दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया है

- महिला आई.ए.एस. सेवाली देवी शर्मा असम की स्टेट काउन्सिलिंग ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग में 105 करोड़ रू. के कथित घोटाले में आरोपी हैं और फरार चल रही हैं।
- असम की विजिलैंस टीम रविवार देर रात अजमेर पहुंची थी और स्थानीय पुलिस की मदद से सोमवार को जयपुर रोड स्थित होटल क्रॉस लेन से आरोपी महिला आई.ए.एस. व दो अन्य को हिरासत में लिया।
- सेवाली देवी 1992 कैडर की हैं तथा 2010 में ए.सी.एस. में चयनित हुईं थी। सेवाली देवी शर्मा पर आरोप है कि, उन्होंने पद का दुरूपयोग कर बैंक से 105 करोड़ रू. निकाल लिए।

अजमेर, 08 मई, (कासं)। असम की स्टेट काउन्सलिंग ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग में हुए 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के मामले में असम विजिलैंस टीम ने सोमवार को, फरार चल रही महिला आई.ए.एस. सेवाली देवी तथा दो अन्य को, स्थानीय पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। विजिलैंस टीम ने तीनों को सी.जी.एम. कोर्ट में पेश किया और रिमांड पर लेकर आरोपियों को लेकर असम रवाना हो गई।

105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में असम विजिलैंस की स्पेशल टीम, इंस्पेक्टर प्रीतम सेकिया के नेतृत्व में रविवार देर रात अजमेर पहुंची थी। टीम के अधिकारियों ने अजमेर पुलिस की इमदाद के लिए कोतवाली थाना पुलिस से संपर्क किया और घोटाले से संबंधित पूरी जानकारी दी, जिसमें, बताया कि फरार आरोपियों के अजमेर में होने की पुख्ता सूचना है। कोतवाली थाना पुलिस के सहयोग से विजिलैंस टीम ने लोकेशन के आधार पर कार्यवाही करते हुए जयपुर रोड स्थित होटल क्रॉस लेन से फरार आरोपी महिला आई.ए.एस.

(शेष पृष्ठ 5 पर)

समूची रेल टिकट प्रणाली डिजिटल हुई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीय रेल्वे समूचे रेल टिकट सिस्टम को डिजीटल कर रहा है ताकि दलालों द्वारा फर्जी टिकट देने पर प्रतिबंध लगाया जा सके।

रेल्वे बोर्ड ने सभी ज़ोनल रेलवे महाप्रबंधकों को एक सर्कुलर जारी कर बताया कि रेल्वे की 5 जगहों, मुम्बई के भायकला, दिल्ली की शकूर बस्ती, चैन्नई के रोयपुर, हावड़ा और सिकदंराबाद की प्रिंटिंग प्रैस बंद कर दी जाएगी। और जो 19 प्रतिशत टिकट काउंटर पर खरीदे जाते हैं उनकी छपाई निजी क्षेत्र को दे दी जाएगी।

- दलालों द्वारा बोगस टिकट दिए जाने और टिकटों में बढ़ते फर्जीवाड़े को रोकने के लिए रेल्वे ने यह व्यवस्था की है।

ये प्रैस पहले ही 95 प्रतिशत रेल्वे टिकट प्रिंट करती रही हैं वहीं रेल्वे की अपनी 5 प्रैस में मात्र 5 प्रतिशत टिकट प्रिंट होते रहे हैं। वर्तमान में 81 प्रतिशत

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बिलावल का भारत दौरा ''लॉस्ट ऑपर्चूनिटी'' या चुनावी लाभ का गणित

कूटनीतिक विशेषज्ञ इस यात्रा को भारत-पाक संबंधों को सहज बनाने का एक ऐसा अवसर बता रहे हैं, जिसे दोनों देशों ने गंवा दिया

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल ज़रदारी भुट्टो की बहुप्रचारित भारत यात्रा के प्रति भारत के ''तल्ख'' रूख की अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीतिक हल्कों में आलोचना हुई।
- वहीं, बिलावल की, कश्मीर को लेकर भारत पर निशाना साधने की कोशिश की भी तीखी आलोचना हुई, भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी इसका जोरदार प्रतिकार किया।
- लेकिन जानकारों की मानें तो इसका कारण चुनावी मजबूरी हो सकता है। दोनों देशों में चुनाव सन्निकट हैं और दोनों देशों में एक-दूसरे का विरोध चुनाव में वोट बटोरने का जरिया रहा है। शायद यही वजह है कि, बिलावल और भारतीय विदेश मंत्री, दोनों ने ही कोई भी सद्भावना नहीं दिखाई।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल ज़रदारी की भारत की हाल ही सम्पन्न यात्रा को विदेशी मीडिया, थिंक टैंक्स और स्वतंत्र विश्लेषकों ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सहज करने में विफल माना है और इसे एक खोए हुए अवसर की संज्ञा दी है।

इस बहुप्रचारित यात्रा के प्रति भारत के रूख की आलोचना की जाती रही है और उसे ऐसा बताया जा रहा है जो द्विपक्षीय वार्ताओं का मार्ग प्रशस्त करने में अड़ियल और अनुपयोगी रही है। तथापि, यह सोच सही हो सकती है, लेकिन जो बात याद रखने वाली है, वह यह कि दोनों ही देशों में वर्ष 2023 और 2024 में आम चुनाव होने जा रहे हैं, अत: उस मेल मिलाप का अभाव है, जो जनता के हित में होना चाहिए था।

वॉयस ऑफ अमेरिका की एक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ही पक्षों ने द्विपक्षीय मुद्दों पर एक-दूसरे को अंधेरे में रखा। विल्सन सैन्ट के एक अमेरिकी थिंक टैंक माइकल कुगलमैन ने कहा कि यदि पाकिस्तान, शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.) के किसी भी सदस्य की आलोचना कर रहा है तो वह भारत ही होगा। फिर भी, उन्होंने बिलावल के भारत दौरे को उम्मीद की एक किरण बताया। यू.के. का अखबार इण्डिपैण्डैन्ट कहना है कि एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन में भाग लेना पाकिस्तान के हित में था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री के प्रति भारत के रूख ने दोनों देशों के बीच संबंध सहज होने की उम्मीद पर एक ग्रहण लगा दिया। भारतीय विदेश मंत्री ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष के साथ कोई मीटिंग करने से इंकार कर दिया। दोनों देशों की सीमा पर बने हुए तनावपूर्ण हालातों के बीच बिलावल के दौरे को मेलमिलाप के एक संकेत के रूप में देखा जा रहा था। भारत के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान पर आतंक फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने बिलावल ज़रदारी को आतंकवाद के ''प्रोत्साहक और प्रवक्ता'' की संज्ञा दी, जो कि करीब एक दशक के बाद हुए दोनों देशों के प्रतिनिधियों के एक हाईप्रोफाइल दौरे का एक अमानवीय समापन था। एस.सी.ओ. कॉन्फ्रैंस के बाद जयशंकर ने पाकिस्तान को धमकाते हुए कहा कि वह आतंकवाद का

(शेष पृष्ठ 5 पर)

''केरल स्टोरी'' पर बंगाल में प्रतिबंध

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हर बार की तरह स्वयं को चर्चा के केन्द्र में लाने के लिये अवसर का फायदा उठाते हुये, धर्मान्तरण-आधारित फिल्म ''केरल स्टोरी'' पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि यह एक विभाजनवादी तथ एक समुदाय को बदनाम करने वाली फिल्म है।

- ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यक वोटों को रिझाने के लिए और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी प्रासंगिकता दर्शाने के लिए बंगाल में ''केरल स्टोरी'' पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को बदनाम करने वाली

(शेष पृष्ठ 5 पर)